साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 50 | गोंदिया : गुरुवार, 21 से 27 जुलाई 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बाढ़ की परिस्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन तैयार - जिलाधिकारी नयना गुंडे

बाढ़ संभावित ग्रामों का निरीक्षण कर गोंदिया व तिरोड़ा तहसील के नागरिकों से साधा संवाद

बुलंद गोंदिया - राज्य में मानसून के दौरान मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति राज्य के अनेक जिलों में निर्माण हो गई है। इस मानसून के दौरान बाढ़ की स्थिति निर्माण होने पर उससे निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है ऐसी जानकारी जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा गोंदिया व तिरोड़ा तहसील के संभावित बाढ़ ग्रस्त गांव के निरीक्षण के दौरान कहा।

गौरतलब है कि मानसून के दौरान अतिवृष्टि होने पर गोंदिया जिले में 96 ग्रामों में बाढ़ की संभावना अधिक बनी रहती है। तथा गत कुछ दिनों में जिले में बारिश ने अपनी उपस्थिति भारी दर्ज कराई है। गत सप्ताह गोंदिया जिले में अतिवृष्टि भी दर्ज की गई है जिसके चलते जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा संभावित बाढ़ ग्रस्त ग्रामों की भौगोलिक स्थिति को जानने के लिए गोंदिया व तिरोड़ा तहसील के रजेगांव, बिरसोला, कासा, काटी, किडंगीपर, ढीवरटोला के ग्रामों में भेंट देकर स्थानीय नागरिकों से संवाद सांधा तथा इस वर्ष आई बाढ़ की स्थिति व नियोजन तथा भौगोलिक परिस्थिति का निरीक्षण किया। जिले में वर्ष 2020 में अगस्त महीने में गोंदिया व तिरोड़ा तहसीलों में बाढ़ की स्थिति निर्माण हुई थी। इस बाढ़ की स्थिति के चलते किसानों के घर मवेशियों के गोठे, मवेशियों व कृषि फसल का भारी नुकसान हुआ था। इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा संभावित बाढ़ ग्रस्त ग्रामों का दौरा कर वहां की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया तथा बाढ़ की स्थिति निर्माण होने पर खोज व बचाव का कार्य किए जाने के लिए प्रशासन द्वारा की गई उपाय योजना उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से ली। वैनगंगा व बाघ नदी के किनारे पर स्थित ग्रामों के निचले क्षेत्रों के घरों में बाढ़ के पानी से होने वाले नुकसान तथा समय पर शासन द्वारा तत्काल मदद उपलब्ध कराए जाने के लिए बोट व मनुष्य बल की भरपूर व्यवस्था आदि के संदर्भ में विस्तृत जानकारी ली तथा इस अवसर पर उपस्थित ग्रामवासियों से संवाद किया।

उपरोक्त क्षेत्रों में जहां पुल नहीं है वह मार्गो की ऊंचाई कम है जिसके चलते बाढ़ की स्थिति निर्माण होने पर ग्रामों का संपर्क कट जाता है इसलिए उपरोक्त मार्गो की ऊंचाई बढ़ाने व नए पुलों का निर्माण करने के लिए ग्राम वासियों द्वारा निवेदन किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार गोंदिया संतोष खांडरे, अपर तहसीलदार अनिल खड़तकर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, कार्यकारी अभियंता राज कुरेकार, बाढ़ नियंत्रण अधिकारी महेश भंडारकर, अभिषेक यादव, इंजीनियर जयंत तिराले प्रमुख रुप से उपस्थित थे। साथ ही संबंधित ग्रामों के सरपंच, उपसरपंच, मंडल अधिकारी, पटवारी, पुलिस पाटिल, कोतवाल जिला आपदा बल के कर्मचारी तथा गोंदिया व तिरोड़ा तहसील के बाढ़ ग्रस्त ग्रामों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जिलाधिकारी नयना गुंडे से नागरिकों से किया आव्हान आपदा के समय जिला प्रशासन नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। आपदा के दौरान प्रशासन और

नागरिकों को एक दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एक साथ आना चाहिए। वर्तमान में बांधों, जलाशयों आदि में जलस्तर बढ़ रहा है और नदी किनारे के गांवों में पानी छोड़े जाने से संभावित बाढ़ की स्थिति से इंकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि जिले में आज बाढ़ की स्थिति नहीं है। लेकिन वर्तमान में बांधों, जलाशयों, झीलों, नदियों, नालों आदि में जल स्तर बढ़ गया है। साथ ही इस स्थान पर सेल्फी के लालच से बचना चाहिए और पानी में बोटिंग करते समय लाइफ जैकेट का इस्तेमाल करना चाहिए और लोगों को क्षमता से अधिक नाव में नहीं बैठना चाहिए। कलेक्टर नयना गुंडे ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जब पानी बह रहा हो तो नागरिक पुल को पार करने की कोशिश न करें और विशेष सावधानी बरतें।

बाढ़ से प्रभावित गांव के नागरिक बरतें सतर्कता - जिलाधिकारी

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में गत दिनों से निरंतर हो रही बारिश व अतिवृष्टि तथा भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर जिले के नदी के किनारों के ग्रामों व बाढ़ प्रभावित ग्रामों के नागरिकों को तथा जिला प्रशासन व जिला आपदा व्यवस्थापन को सतर्कता व सावधानी बरतने का निर्देश जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा दिया गया है।

गौरतलब है कि जिले में सब और बारिश शुरु है। जिससे नदी के किनारे व बाढ़ ग्रस्त 96 ग्रामो के नागरिकों को सावधानी बरतने को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। साथ ही इस दौरान समय-समय पर आपदा संबंधित जानकारी तहसीलदारों द्वारा ग्रामीणों तक पहुंचाये, आवश्यक कार्यों के अलावा नागरिको को यात्रा करने से बचना चाहिए तथा बारिश की स्थिति में पुलों पर से वाहनों को ले जाते समय भी बचना चाहिए। जिले में आपदा की स्थिति से बचाव के लिए जिला आपदा प्रबंधन कक्षा निरंतर कार्य कर रहा है। साथ ही नदी किनारे के ग्रामों में बाढ़ की स्थिति निर्माण होने पर ग्रामीणों को समय-समय पर तहसीलदार द्वारा पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम के माध्यम से सूचित करें। इटियाडोह व संजय सरोवर परिसर में निरंतर हो रही बारिश के कारण प्रत्येक 3 घंटों में जिला आपदा प्रबंधन द्वारा जलस्तर की जानकारी प्राप्त कर रहा है। उसीके अनुसार जिले में सभी क्रियान्वित एजेंसियों को सतर्क व संपर्क में रहना चाहिए।

अफवाहों पर न करें विश्वास

आपदा के किसी भी प्रकार के संबंध में किसी भी सूचना तत्काल जिला आपदा प्रबंधन विभाग को दी जानी चाहिए तथा नागरिकों द्वारा बाढ़ आपदा के बारे में अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। किसी ने भी इस प्रकार की झूठी अफवाह नहीं फैलाना चाहिए। आपदा की स्थिति में अधिक जानकारी के लिए जिला आपदा प्रबंधन विभाग के 07182 230196 नंबर पर संपर्क करें।

नाले में बहे चारों युवकों के शव दूसरे दिन मिले

जिले में घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए पालक व प्रशासन बरते सावधानी - जिलाधिकारी नयना गुंडे

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते सभी नाले उफान पर पहुंच चुके थे। जिसके चलते 13 जुलाई को जिले मे दो अलग-अलग स्थानों में घटित हुई घटना में चार युवक नाले में बह गए थे। जिनकी तलाश जिला आपदा प्रबंधन विभाग व गोंदिया अग्निशमन दल द्वारा निरंतर जारी रखी गई। दूसरे दिन 14 जुलाई को उन चारों के शव बरामद हुए। उपरोक्त खोज अभियान में आपदा प्रबंधन विभाग के दल ने विशेष महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिले में इस प्रकार की घटना होने पर इसकी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सभी पालक व जिला प्रशासन को सावधानी बरतने का आव्हान जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा किया गया।

गौरतलब है कि 13 जुलाई को जिले के दो अलग-अलग स्थानों पर उफनते नाले में बहने की घटना घटित होने पर चार युवक बह गए थे। उपरोक्त घटना के पश्चात जिलाधिकारी नयना गुंडे व पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन विभाग के खोज व बचाव पथक तथा गोंदिया नगर परिषद के अग्निशमन विभाग के संयुक्त पथक का निर्माण तैयार कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें दूसरे दिन दल को सफलता मिली व चारों युवको के शव बहते नाले में से निकाले गए।

उपरोक्त दुर्घटना में पहली घटना में तुमखेड़ा खुर्द लोधीटोला के दो कृषि मजदूर आशिष धर्मराज बागड़े (23) व संजू प्रमोद बागड़े (25) निवासी पुजारीटोला / लोधीटोला तथा गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गौतम नगर पिंडकेपार चौथा नाला में नहाने के लिए गए गौतम नगर निवासी जावेद अली हजरत अली सैयद व बाबा उर्फ रेहान कलीम शेख (15) की नाले में बह कर मौत हो गई थी। इस खोज अभियान में जिला आपदा प्रबंधन विभाग व गोंदिया नगर परिषद अग्निशमन विभाग के दल के नरेश उईके, राजकुमार खोटेले, जसवंत रहांगडाले, रविंद्र भांडारकर, संदीप कराडे, दिनू दिप, राजाराम गायकवाड, महेंद्र ताजने, दुर्गप्रसाद गगंगापारी, (चालक) मंगेश डोये, गृहरक्षक इंद्रकुमार बिसेन, चुन्नीलाल मुटकुरे, चिंतामण गिऱ्हेपुंजे, गिरधारी पतैह, जबराम चिखलोंढे किसी भी आपदा की घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं।

इसी तरह टीम बी के सदस्य अग्निशमन अधिकारी लोकचंद भेंडारकर, छबिलाल पटले, जितेंद्र गौर, महेंद्र बाने, सत्यम बिसेन, शहबाज सैयद, राजेंद्र पटले, मुकेश ढाकेर, सुमित बिसेन, राहुल नागपुरे, आमिर खान, दुर्गेश तेलासे, अजय रहांगडाले, अंश चौरसिया, शुभम दास, मनीष रहांगडाले, शुभम ढेकवार मुकेश माने ने योगदान दिया तथा वे हमेशा अलर्ट मोड पर रहते हैं।

बिजली गिरने से मृतकों के परिवार को धनादेश वितरित

बुलंद गोंदिया - तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली गोरेगांव तहसील मे 13 मई व 23 जून को बिजली गिरने की घटना में तीन लोगों की आकस्मिक मौत हो गई थी। जिसमें पीड़ित परिवारों को 16 जुलाई को तहसील कार्यालय में विधायक विजय रहांगडाले के हस्ते प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाली सहायता राशि के धनादेश वितरित किए गए।

गौरतलब है कि गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम गनखैरा, घोटी व बोळुंदा में 13 मई व 23 जून को आसमानी बिजली गिरने की घटना घटीत हुई थी। इस घटना में जोशीराम ऊईके (54) बोळुंदा, रामेश्वर अनंतराम ठाकरे (52) घोटी व सूरतलाल जोशीराम पारधी (60) गणखैरा की मौत हो गई थी। घटना के पश्चात राज्य प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा प्रत्येक मृतक के परिवारों को 4 लाख रुपये का धनादेश विधायक विजय रहांगडाले हस्ते गोरेगांव तहसील कार्यालय में वितरित किया गया। बिजली गिरने की घटना घटित होने के पश्चात राज्य शासन को तहसीलदार सचिन गोस्वामी द्वारा प्रस्ताव भेजा गया था, जिसके तहत उपरोक्त निधी मंजूर हुई। धनादेश वितरण के समय विधायक विजय रहांगडाले, तहसीलदार सचिन गोस्वामी, नगर पंचायत पूर्व अध्यक्ष आशीष बारेवार, हिरालाल रहांगडाले, रेवेंद्र बिसेन तथा पटवारी अरविंद डहाट, दिलीप कटरे आदि उपस्थित थे।

श्रीनगर मालवीय स्कूल परिसर में पहुंचा जंगली सूअर

पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा ने वन विभाग को दी सूचना

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला सघन वन क्षेत्रों से परिपूर्ण होने तथा शहर से कुछ ही किलोमीटर के अंतर पर संरक्षित वन होने से वनों में जंगली सूअरों की बढ़ती संख्या अब शहरी नागरिकों के लिए घातक साबित हो रही है। जिससे वन क्षेत्र से लगे श्रीनगर, बाजपाई वार्ड, मोक्षधाम, गौतम नगर परिसर में जंगली सूअर आए दिन दिखाई दे रहे हैं। इसी के चलते 13 जुलाई की रात शहर के श्रीनगर मालवीय स्कूल प्रभाग क्रमांक 17 के परिसर में एक बड़ा जंगली सूअर दिखाई दिया। जिसकी जानकारी पूर्व पार्षद निर्मला दिलीप मिश्रा द्वारा वन विभाग को दी। जानकारी प्राप्त होते ही वन विभाग का रेस्क्यू दल घटनास्थल पर पहुंचा। लेकिन तब तक जंगली सूअर परिसर से भाग चुका था। जिसके चलते वन विभाग के रेस्क्यू दल को जंगली सूअर नहीं मिल पाया।

उल्लेखनीय है कि गत 15 से 20 दिनों पूर्व मोक्षधाम परिसर में गौतम नगर निवासी सोनझारी समाज की एक महिला व पुरुष पर जंगली सूअर द्वारा हमला कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया था। इसके साथ ही श्रीनगर निवासी एक महिला जो कार्य के लिए आबेडकर स्कूल परिसर में गई थी तो उसे भी वहां पर एक जंगली सूअर द्वारा हमला कर जख्मी कर दिया था। आए दिन इस क्षेत्र के नागरिकों पर जंगली सुअर के हमले बढ़ रहे हैं। वन क्षेत्र से लगे क्षेत्रों में जंगली सूअर आने व नागरिकों पर हमला होने के चलते वन विभाग द्वारा इन क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। जिससे भविष्य में वनों से जंगली सूअर या अन्य हिंसक वन्यजीवों शहरी क्षेत्र में प्रवेश न करें। जिससे वन्यजीव मानव संघर्ष भी बढ़ सकता है तथा भारी जन हानि हो सकती है।

रामनगर पुलिस थाने की नई इमारत के निर्माण के चलते नाली बंद

नागरिकों के घर में घुसा पानी

नप प्रशासन इस गंभीर समस्या पर दे तत्काल ध्यान - पूर्व पार्षद मौसमी सोनछात्रा

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के रामनगर परिसर के प्रभाग क्रमांक 12 में रामनगर पुलिस थाने की नई इमारत का निर्माण शुरु है। उपरोक्त इमारत की बाउंड्री वॉल व कंपाउंड का निर्माण हो जाने से परिसर के गंदे पानी के निकासी की नाली बंद हो गई है। जिससे नाली का पानी व बारिश का पानी निकल नहीं पा रहा है। साथ ही पुलिस स्टेशन के सामने की नाली भी बंद करवा दी गई है। जिसके चलते आसपास के संपूर्ण परिसर में गंदा पानी जमा हो गया है। विशेषकर गुरुवार की रात व विगत कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते नागरिकों के घरों में पानी घुस गया व उनके घर की जीवन उपयोगी सामग्री उस गंदे पानी में तैरने लगी। इसकी जानकारी पूर्व पार्षद मौसमी चेतन्य सोनछात्रा को होने पर शुक्रवार की सुबह परिसर में पहुंचकर अग्निशमन दल की सहायता से वाटर पंप लगाकर परिसर का पानी निकाला गया। किंतु इस प्रकार की समस्या प्रतिदिन सामने आ रही है जिससे नागरिकों को भारी परेशानी हो रही है। इस गंभीर समस्या के संदर्भ में मौसमी सोनछात्रा ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का जल्द से जल्द समाधान करें व पानी की निकासी की व्यवस्था को सुचारु करें। जिससे फिर से परिसर में नागरिकों को घरों में पानी भरने की समस्या निर्माण न हो।

शासकीय छात्रावास में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में सामाजिक न्याय विभाग के तहत 6 लड़कियों और 2 लड़कों के लिए ऐसे कुल 8 छात्रावास संचालित हैं। छात्रावास में छात्रों को नि:शुल्क आवास और भोजन तथा लड़कों को 500 रुपये प्रतिमाह और लड़कियों को 600 रुपये प्रतिमाह का निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाता है। साथ ही छाता, रेनकोट, गमबूट और स्टेशनरी भी प्रदान की जाती हैं। सरकारी छात्रावासों में प्रवेश की अंतिम तिथि स्कूल विभाग के लिए 15 जुलाई, जूनियर कॉलेज विभाग के लिए 30 जुलाई, गैर-व्यावसायिक विभाग के लिए 24 अगस्त और बिजनेस कॉलेज विभाग के लिए 30 सितंबर, 2022 है। शासकीय छात्रावास में प्रवेश के लिए अपेक्षित आवेदन पत्र सहायक आयुक्त, समाज कल्याण गोंदिया तथा संबंधित छात्रावास के कार्यवाहक द्वारा संपर्क किया जाना चाहिए।

संपादकीय

एहतियात की खुराक

देशव्यापी टीकाकरण ने कोरोना की रोकथाम में एक बड़ी भूमिका निभाई है।

इसमें संदेह नहीं कि फिलहाल कोरोना विषाणु के संक्रमण का जोर कम है, लेकिन रह-रह कर इसके बहुरुपों के फैलने की खबरें आती रहती हैं। अक्सर ऐसा हुआ है जब आम लोगों ने अपने स्तर पर लापरवाही बरती तो उसके नतीजे में संक्रमण के मामलों में तेजी आ गई। हालांकि इससे बचाव के लिए सरकार की ओर से किए गए तमाम उपायों के साथ-साथ देशव्यापी टीकाकरण ने कोरोना की रोकथाम में एक बड़ी भूमिका निभाई है, मगर बड़ी चुनौती यह है कि अगर इस महामारी से राहत के हालात को कायम रखना है तो उसके लिए हर स्तर पर चौकसी बनाए रखी जाए।

इस लिहाज से देखें तो सरकार ने टीकाकरण के मोर्चे पर ठोस नतीजे देने वाला काम किया है, जिसके तहत व्यापक पैमाने पर लोगों को टीके की दो खुराक लगाई गई। यह उपाय कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए पूर्व सावधानी के तौर पर उठाए गए अन्य कदमों के अलावा एक सबसे कारगर उपाय रहा। इसके बाद यह देखा गया कि देश भर में कोरोना के संक्रमण के मामलों में कमी आई।

अब सरकार ने घोषणा की है कि अठारह से उनसठ साल के आयुवर्ग वालों को एहतियाती खुराक दी जाएगी। इसकी खास बात यह है कि सरकार ने इस बार टीकों की खुराक मुफ्त देने का फैसला किया है। एहतियाती टीका देने का पचहत्तर दिनों का यह विशेष अभियान आज से शुरु होगा, जिसके तहत सरकारी केंद्रों पर अतिरिक्त खुराक लेने के लिए लोगों को कोई पैसा नहीं चुकाना होगा।

कोरोना विषाणु की अब तक जैसी प्रकृति देखी गई है, उसमें दुनिया भर के विशेषज्ञों ने यही बताया है कि इससे संक्रमित व्यक्ति के इलाज के दौरान जिस तरह की जटिलता देखी गई है, उसमें सबसे बेहतर यही है कि विषाणु के संक्रमण से बचाव के तरीके अपनाए जाएं। इसमें अन्य तरीकों के मुकाबले टीकाकरण को सबसे कारगर उपाय बताया गया है। यों शुरुआत में दो खुराक को कोरोना विषाणु के संक्रमण की रोकथाम के लिए पर्याप्त बताया गया था, लेकिन वक्त के साथ इसके बहुरुपों ने हालात को जटिल बनाया है। आज भी देश के कुछ हिस्सों में अचानक ही संक्रमण की रफ्तार में बढ़ोतरी हो जाती है।

शायद यही वजह है कि सरकार ने अब इसके टीकों की दो खुराक के बाद कोरोना पर काबू पाने के मकसद से एहतियाती खुराक को और विस्तारित रुप में देने का फैसला किया है। हालांकि इसकी शुरुआत पहले ही हो चुकी है और इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों से लेकर कई स्तर पर पात्र लोगों को अतिरिक्त खुराक दिया गया है, लेकिन अब तक आम लोगों के बीच इसे लेकर एक तरह की उदासीनता देखी गई है। जबकि पहले के दोनों निर्धारित खुराक लेने के लिए लोगों ने पर्याप्त उत्साह दिखाया था। हो सकता है कि इस बीच कोरोना विषाणु के संक्रमण की रयतार में कमी आने की वजह से लोग निश्चिंत होते दिखे।

यह भी संभव है कि लोगों के भीतर कुछ आशंकाएं पैदा हुई हों। वजह चाहे जो हो, इस तरह के हालात में सरकार पर यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि लोग किसी अभियान में भाग लेते हुए खुद को सुरक्षित महसूस करें। इसके मद्देनजर सरकार ने कई स्तर पर सावधानी के साथ इस अभियान को गति दी है और इसमें लोगों की हिस्सेदारी को उत्साहित करने के मकसद से अतिरिक्त खुराक के लिए कोई शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि एहतियाती खुराक लेने के प्रति भी लोग सजगता बरतेंगे और इस तरह महामारी को कमजोर करने के अभियान में भागीदारी निभाएंगे।

संत लहरी आश्रम, कामठा में गुरु पौर्णिमा सोल्लास संपन्न

बुलंद गोंदिया - गु याने अंधकार-अज्ञान, रु याने प्रकाश-ज्ञान मतलब जो अंधकार-अज्ञान सें हमें निकालकर प्रकाश याने ज्ञान की ओर लेजाता है वही सच्चा गुरु है, गुरु बिना ज्ञान नहीं इसलिये गुरु का स्थान हमारे जीवन मे बहोत महत्त्वपूर्ण है ऐसा प्रतिपादन प.पू. तुकडोजी बाबा ने गुरुपोर्णिमा निमित्त आयोजित कार्यक्रम मे प्रवचन करते वक्त किया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुपोर्णिमा महोत्सव, श्री संत लहरी आश्रम संस्थान (मध्यकाशी) कामठा मे बडे ही हर्शोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण मे हजारो श्रद्धालुओ के बीच मानाया गया। सुबह सें ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में संत लहरी आश्रम संस्थान मे दर्शन हेतु कतारबद्ध थे, सभी भक्तो ने अपने गुरु श्री संत जैरामदास उर्फ लहरी बाबा के समाधी का दर्शन लिया एवं पूजा अर्चना की, वैसेही प.पू. तुकडोजी बाबा इनका दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

भक्तो ने संत लहरी आश्रम संस्थान मे स्थापित शिव मंदीर और माता भागीरथी के मंदीर मे भी दर्शन लिये। गुरुपोर्णिमा महोत्सव की शुरुवात कार्यकारी मंडल सदस्यो की उपस्थिती मे दीप-प्रज्वलन सें की गयी, उसके बाद संस्थान के अध्यक्ष गोपाल बाबा और माता सुशीलाबाई इनका स्वागत भूतपूर्व आमदार, राजुरा संजयजी धोटे व संध्या धोटे ने किया, प.पू. तुकडोजी बाबा इनका स्वागत संस्थान के कोषाध्यक्ष गोपाल मते द्वारा किया गया। एडवोकेट अनिल ठाकरे इन्होने संस्थान के सचिव के.बी. बावनथडे इनका स्वागत किया। महोत्सव के दरम्यान श्री गुणवंत जाधव (नागपूर), अजय पटले, दीपक कुन्दनानी, ओंकार दांडले (अमरावती) इन्होने संत लहारीबाबा द्वारा रचित भजनो का कर्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित भक्तो का दिल जीत लिया। इस उपलक्ष्य मे संजय धोटे, अनिल ठाकरे इन्होने भी आपना मनोगत व्यक्त किया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन प्रा. अरविंद मते इन्होने किया।

कार्यक्रम के लिये कार्यकारी मंडल के सभी सदस्य और हजारो श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये श्री लहरी युवा मंच के सद्स्यो ने सहकार्य किया। महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इसी कार्यक्रम मे गोपाल बाबा, अध्यक्ष, लहरी आश्रम कामठा इनके करकमलो द्वारा ब्रम्हानंद लहरी का विमोचन किया गया।

नासा : बेमिसाल उपलब्धि

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ओर से जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने ब्रम्हांड के उन कोनों तक इंसान की पहुंच सुनिश्चित कर दी है, जहां तक पहुंचने के बारे में कुछ समय पहले तक सोचना भी मुमकिन नहीं था। यह सही है कि इन तस्वीरों में यूनिवर्स के वो हिस्से भी हैं, जो पहले भी तस्वीरों में कैद किए जा चुके हैं।

इंसानों ने एक और लंबी छलांग लगाई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ओर से जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप द्वारा ली गई ब्रम्हांड की ऐसी तस्वीरें मंगलवार को जारी की गई, जो अभूतपूर्व और चमत्कारिक हैं। इन तस्वीरों में न केवल बहुत छोटे सितारों का एक आकर्षक लैंडस्केप नजर आ रहा है, बल्कि फेनिल नीले और नारंगी रंगों वाला एक मरता हुआ तारा और आकाशीय नृत्य की मुद्रा में पांच आकाशगंगाएं भी मौजूद हैं। ऐसी सात तस्वीरों में और भी बहुत कुछ है। हर तस्वीर के हरेक हिस्से से ब्रम्हांड के रहस्यों की कोई न कोई गुत्थी झांक रही है। इन गुत्थियों को सुलझाने का काम वैज्ञानिक धीरे-धीरे करेंगे, लेकिन इतना तो स्पष्ट ही है कि जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने ब्रम्हांड के उन कोनों तक इंसान की पहुंच सुनिश्चित कर दी है, जहां तक पहुंचने के बारे में कुछ समय पहले तक सोचना भी मुमकिन नहीं था। हालांकि इन तस्वीरों में यूनिवर्स के वैसे हिस्से भी हैं, जो पहले के हबल टेलिस्कोप द्वारा कैद किए जा चुके हैं। मगर उन हिस्सों की भी जेम्स वेब द्वारा खींची गई तस्वीरें आश्चर्यजनक रुप में स्पष्ट हैं।

इस टेलिस्कोप की खूबी ही यह है कि यह सबसे हाई रिजॉल्यूशन वाली इन्फ्रारेड इमेज कैद करता है। इस वजह से जो हिस्से पहले कैमरे की पकड़ में नहीं आते थे, अब आ रहे हैं। इसी का परिणाम है कि अब हम इन तस्वीरों के जरिए ब्रम्हांड के शुरुआती दौर तक की यात्रा कर सकते हैं। यह ख्याल ही रोमांचित करने वाला है कि नासा की ओर से जारी तस्वीरों में हमें 13 अरब साल से भी पहले बने सितारों की चमक दिखाई दे रही है। बिग बैंग का वक्त 13.8 अरब साल पहले का माना जाता है। यानी हम ब्रम्हांड की उत्पत्ति के कुछ ही समय बाद तक का दृश्य देख पाए। मनुष्य तो छोड़िए पृथ्वी की उत्पत्ति भी महज चार अरब साल पुरानी बात है। अगर कल्पना और रोमांच की बात छोड़ दें तो ठोस वैज्ञानिक लिहाज से भी यह इतनी बड़ी बात है कि इसकी अहमियत और उसके संभावित नतीजों का ठीक-ठीक अंदाजा लगाने के लिए भी वक्त चाहिए। ब्रम्हांड की उत्पत्ति के रहस्यों को सुलझाने से लेकर, पृथ्वी से इतर जीवन की संभावनाओं की तलाश तक तमाम महत्वपूर्ण अभियानों को यह निर्णायक ढंग से प्रभावित करने वाला है। बहरहाल, इस मौके पर यह भी रेखांकित करते हुए चलना ठीक होगा कि इस मुहिम की अगुआई भले नासा कर रहा हो, यहां तक पहुंचने की इस यात्रा में न केवल यूरोपीय स्पेस एजेंसी और कनाडाई स्पेस एजेंसी का सक्रिय योगदान है बल्कि पूरी दुनिया की अंतरिक्षवेत्ता बिरादरी की प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष भूमिका इसमें रही है। इसीलिए यह मनुष्य मात्र की उपलब्धि है और इसीलिए आज इस पर इंसानियत फख्र कर रही है।

मेरी मां ही मेरी हिम्मत है

मेरे रुठ जाने पर वो प्यार से मुझे मनाती है
हां मेरी परेशानी पर जो खुद दुखी हो जाती है
जो भगवान से भी बड़ी है
सही बात यह 100 प्रतिशत है
मेरी मां ही मेरी हिम्मत है।
मुझे धूप लगने पर जो मेरे लिए छांव बनी
मेरे हार जाने पर जो मेरी जीत की राह बनी
जो है मेरी पूरी दुनिया
मेरी जुबां पर मां नाम की रट है
मेरी मां ही मेरी हिम्मत है

- हार्दिक जे. जीवानी

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

इतिहास

1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद भी कई दिन सैन्य संघर्ष होता रहा। इतिहास के मुताबित दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के कारण तनाव और बढ़ गया था। स्थिति को शांत करने के लिए दोनों देशों ने फरवरी 1999 में लाहौर में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। जिसमें कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का वादा किया गया था। लेकिन पाकिस्तान ने अपने सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों को छिपाकर नियंत्रण रेखा के पार भेजने लगा और इस घुसपैठ का नाम ऑपरेशन बद्र रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कश्मीर और लद्दाख के बीच की कड़ी को तोड़ना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से हटाना था। पाकिस्तान यह भी मानता है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तनाव से कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने में मदद मिलेगी।

प्रारम्भ में इसे घुसपैठ मान लिया था और दावा किया गया कि इन्हें कुछ ही दिनों में बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन नियंत्रण रेखा में खोज के बाद और इन घुसपैठियों के नियोजित रणनीति में अंतर का पता चलने के बाद भारतीय सेना को अहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बड़े पैमाने पर किया गया है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 200000 सैनिकों को भेजा। यह युद्ध आधिकारिक रुप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे।

कारगिल युद्ध

कारगिल युद्ध, जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है, भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के करगिल जिले में हुए सशस्त्र संघर्ष का नाम है।

पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेज़ों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रुप में इस युद्ध में शामिल थी। लगभग 30000 भारतीय सैनिक और करीब 5000 घुसपैठिए इस युद्ध में शामिल थे। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार वापिस जाने को मजबूर किया। यह युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ और दोनों देशों की सेनाओं को लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। भारत ने कारगिल युद्ध जीता।

परिणाम

पाकिस्तान में इस युद्ध के कारण राजनैतिक और आर्थिक अस्थिरता बढ़ गई और नवाज़ शरीफ़ की सरकार को हटाकर परवेज़ मुशर्रफ़ राष्ट्रपति बन गए। दूसरी ओर भारत में इस युद्ध के दौरान देशप्रेम का उबाल देखने को मिला और भारत की अर्थव्यवस्था को काफ़ी मजबूती मिली। भारतीय सरकार ने रक्षा बजट और बढ़ाया। इस युद्ध से प्रेरणा लेकर कई फ़िल्में बनीं जिनमें एलओसी कारगिल, लक्ष्य और धूप मुख्य हैं।

कारण

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और सेना प्रमुख जहांगीर करामात के बीच 1998 के करीब, मतभेद बढ गये थे। करामात की सेवानिवृत्ति के पश्चात किसे सेना प्रमुख बनाया जाय इस बात पर भी बहस चल रही थी। नवाज़ शरीफ ने एक आमसभा में अपने ऊपर की गई टीका-टिप्पणी से गुस्सा होकर करामात ने सेना प्रमुख पद से इस्तिफा दे दिया। नवाज शरीफ ने जनरल परवेज़ मुशर्रफ को सेना प्रमुख के पद पर नियुक्त किया।

भारतीय सेना को नुकसान

26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष विजय दिवस के रुप में मनाया जाता है। करीब दो महीने तक चला कारगिल युद्ध भारतीय सेना के साहस और जांबाजी का ऐसा उदाहरण है जिस पर हर भारतीय देशवासी को गर्व होना चाहिए। करीब 18 हजार फीट की ऊँचाई पर कारगिल में लड़ी गई इस जंग में देश ने लगभग 527 से ज्यादा वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 250 पाकिस्तानी सैनिक जंग छोड़ के भाग गए।

युद्ध की शुरुआत

वैसे तो पाकिस्तान ने इस युद्ध की शुरुआत 3 मई 1999 को ही कर दी थी जब उसने कारगिल की ऊँची पहाड़ियों पर 5000 सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। इस बात की जानकारी जब भारत सरकार को मिली तो सेना ने पाक सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया।

लड़ाकू अस्त्रों का प्रयोग

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ मिग-27 और मिग-29 का भी इस्तेमाल किया। इसके बाद जहाँ भी पाकिस्तान ने कब्जा किया था वहाँ बम गिराए गए। इसके अलावा मिग-29 की सहायता से पाकिस्तान के कई ठिकानों पर आर-77 मिसाइलों से हमला किया गया।

इस युद्ध में बड़ी संख्या में रॉकेट और बमों का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान करीब 2,50,000 गोले दागे गए। वहीं 5,000 बम फायर करने के लिए 300 से ज्यादा मोर्टार, तोपों और रॉकेटों का इस्तेमाल किया गया। युद्ध के 17 दिनों में हर रोज प्रति मिनट में एक राउंड फायर किया गया। यह ऐसा युद्ध था जिसमें दुश्मन देश की सेना पर इतनी बड़ी संख्या में बमबारी की गई थी।

घटनाक्रम

3 मई 1999 : एक चरवाहे ने भारतीय सेना को कारगिल में पाकिस्तान सेना के घुसपैठ कर कब्जा जमा लेने की सूचना दी।

5 मई : भारतीय सेना की पेट्रोलिंग टीम जानकारी लेने कारगिल पहुँची तो पाकिस्तानी सेना ने उन्हें पकड़ लिया और उनमें से 5 की हत्या कर दी।

9 मई : पाकिस्तानियों की गोलाबारी से भारतीय सेना का कारगिल में मौजूद गोला बारुद का स्टोर नष्ट हो गया।

10 मई : पहली बार लदाख का प्रवेश द्वार यानी द्रास, काकसार और मुश्कोह सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठियों को देखा गया।

26 मई : भारतीय वायुसेना को कार्यवाही के लिए आदेश दिया गया।

27 मई : कार्यवाही में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ मिग-27 और मिग-29 का भी इस्तेमाल किया।

26 जुलाई : कारगिल युद्ध आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गया। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों के पूर्ण निष्कासन की घोषणा की।

श्रावण मास

हिंदू धर्म के पवित्र व्रतों में से एक सावन का महीना माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, श्रावण मास का प्रारंभ आषाढ़ पूर्णिमा के साथ होता है। भगवान शिव को समर्पित इस माह में भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस माह में भोलेनाथ की पूजा करने से सभी कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। सावन के दौरान रुद्राभिषेक का भीअपना एक महत्व है। सावन मास भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे उत्तम माह माना जाता है। शिव पुराण के अनुसार, जो व्यक्ति सावन माह में सोमवार का व्रत रखता है उसकी हर मनोकामना भगवान शिव पूरी कर देते हैं। जानिए साल 2022 में कब से शुरु होगेासावन का पवित्र माह।

कब से शुरु हो रहा सावन 2022

ज्योतिषियों के अनुसार, सावन माह 14 जुलाई 2022 से शुरु हो रहा है जोकि 12 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा। बता दें कि सावन का पहला सोमवार 18 जुलाई को पड़ रहा है और अंतिम सावन 12 अगस्त को पड़ रहा है।

सावन सोमवार की तिथियां

14 जुलाई, गुरुवार - श्रावण मास का पहला दिन
18 जुलाई, सोमवार - पहला सावन सोमवार व्रत
25 जुलाई, सोमवार - दूसरा सावन सोमवार व्रत
01 अगस्त, सोमवार - तिसरा सावन सोमवार व्रत
08 अगस्त, सोमवार - चौथा सावन सोमवार व्रत
12 अगस्त, शुक्रवार - श्रावण मास का अंतिम दिन

सावन का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास को 5वां महीना माना जाता है। शिव पुराण के अनुसार भगवान भोलेनाथ ने स्वयं ही इस मास में पड़ने वाले सावन के बारे में बताया है।

द्वादशस्वपि मासेषु श्रावणो मेऽतिवल्लभ:।
श्रवणार्हं यन्माहात्म्यं तेनासौ श्रवणो मत:।।
श्रवणर्क्षं पौर्णमास्यां ततोऽपि श्रावणरु स्मृत:।
यस्य श्रवणमात्रेण सिद्धिद: श्रावणोऽप्यत:।।

अर्थात मासों में श्रावण मुझे अत्यंत प्रिय है। इसका माहात्म्य सुनने योग्य है अत: इसे श्रावण कहा जाता है। इस मास में श्रवण नक्षत्र युक्त पूर्णिमा होती है इस कारण भी इसे श्रावण कहा जाता है। इसके माहात्म्य के श्रवण मात्र से यह सिद्धि प्रदान करने वाला है, इसलिए भी यह श्रावण संज्ञा वाला है।

हिंदू पंचांग के अनुसार पांचवा महीना श्रावण मास भोलेनाथ की भक्ति के लिए बहुत उत्तम माना गया है। इसके अलावा सावन मास के दौरान रुद्राभिषेक को भी बहुत खास बताया गया है। साथ ही शिव पुराण के मुताबिक भगवान शिव ने खुद इस मास में पड़ने वाले सावन के बारे में बताया है। शिव पुराण के अनुसार जो व्यक्ति श्रावण या सावन माह में सोमवार का व्रत रखता है और शिवजी को पूजता है, भगवान शिव उसकी हर मनोकामना पूरी करते हैं।

किसानों को कर्ज नहीं देने वाले बैंकों के खिलाफ करें मामले दर्ज - विधायक विनोद अग्रवाल

उपविभागीयी कार्यालय की सभा में बैंकों को जुलाई के अंत तक किसानों को कर्ज वितरण निर्देश

बुलंद गोंदिया - बारिश की शुरुवात हो चुकी है और किसानों ने धान फसल की रोपाई शुरु कर दी है। एक तरफ भारी बारिश से किसानो को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। विधायक विनोद अग्रवाल ने ऐसे कई किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उपविभागीय कार्यालय में सभा ली। उक्त सभा में बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

<u>बैंक को मिले टारगेट में से इतना कर्ज हुआ वाटप</u>

को-ओपरेटिव बैंक को 38.95 लाख रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से उसने केवल 17.36 लाख रुपये ही वितरित किए हैं। ग्रामीण बैंक का लक्ष्य 700.42 लाख रुपये का वितरण करना है, जिसमें से 500 लाख रुपये वितरित किए गये हैं और शेष जुलाई में लक्ष्य को पूरा कर लेंगे, प्रतिनिधि ने कहा। पंजाब नेशनल बैंक को 2.85 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से केवल 20 प्रतिशत का ही भुगतान किया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा को दिए गए 5 करोड़ रुपये के लक्ष्य में से 85 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया है। अन्य लक्ष्यों को अगले सप्ताह हासिल करने की गारंटी है। आईडीबीआई बैंक को 1.73 लाख रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से 52 लाख रुपये का वितरण किया जा चुका है। साथ ही इंडियन ओवरसीज बैंक ने 60 लाख में से 11 लाख पूरे कर लिए हैं। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, केनरा बैंक के प्रतिनिधि इस समय मौजूद नहीं थे।

<u>सरकार की नीति का करें पालन, फसल क्रृण वितरण नहीं किया तो होगा आंदोलन</u>

सभा में विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार की भी नीति है कि किसानों को लक्ष्य के अनुरुप फसली क्रृण दिया जाए और किसानों को बिना किसी परेशानी के फसल क्रृण वितरित किया जाए। कर्ज वितरण का लक्ष्य पूरा किया जाना चाहिए। लेकिन कई बैंकों ने जुलाई का महीना खत्म होने को है और पूरा लक्ष्य नहीं होने पर फटकार लगाई है। उक्त बैठक में विनोद अग्रवाल ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को मामला दर्ज करने का सुझाव दिया है या किसानों को कर्ज नहीं देने वाले बैंकों के खिलाफ कार्रवाई करें। राष्ट्रीयकृत बैंक अपने लक्ष्य को पूरा करने में विफल होने पर हर बार ध्यान देना उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक है। जिन किसानों को फसली क्रृण नहीं मिल रहा है, उन्हें सलाह दी गई है कि वे ए.आर. सोनकर के पास जाएं और जिन किसानों ने फसल क्रृण नहीं दिया है उनके खिलाफ कार्रवाई करें। किसानों को सूचित नहीं किया जाना चाहिए कि उन्हें क्रृण नहीं मिल रहा है। विनोद अग्रवाल ने संकेत दिया है उनके कल्याण के लिए आंदोलन करने के लिए साथ ही, यदि कोई समस्या है, तो विधायक विनोद अग्रवाल ने नाबार्ड के साथ सहयोग लेने का सुझाव दिया है.

गोंदिया तहसील के किसानों को क्रृण वितरित करने के लिए पालक मंत्री, कलेक्टर के साथ बैठककर की नियोजन बनाया गया था। भारत एक कृषि प्रधान देश है और गोंदिया जिले में बड़ी संख्या में किसान हैं और उनका मुख्य व्यवसाय कृषि है। सभा में बैंक के ए.आर. सोनकर को किसानों की समस्याओं को लेकर सेवा सहकारी अध्यक्ष, समूह सचिव से संपर्क कर 10 दिन के भीतर बैठक कर किसानों की समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया।

सभा में विधायक विनोद अग्रवाल, उपविभागीय अधिकारी, पर्वणी पाटील, तहसीलदार ग्रामीण खांडरे, अप्पर तहसीलदार खडतकर, तहसील कृषी अधिकारी तुमडाम, पंचायत समिती सभापती मुनेश रहांगडाले, खंड विकास अधिकारी पुराम, ए.आर. सोनकर, मोहन गौतम, जिलाध्यक्ष किसान आघाडी चाबी संगठन, पृथ्वीराजसिंह नागपुरे, सुधीर चंद्रिकापुरे, कमलेश सोनवाने, राहुल मेश्राम पंचायत समिती, सदस्य कुडवा, विक्की बघेले, धर्मेन्द्र डोहरे, छगन माने, रंजित बारलिंगे, अतुल शरणागत, मनीष वैष्णव, ओमकार नागफासे इत्यादी उपस्थित थे।

पशुपालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड क्रृण योजना, २८ जुलाई तक करे आवेदन

बुलंद गोंदिया - पशुपालन व्यवसाय / पशुधन प्रबंधन के लिए आवश्यक कार्यशील पूंजी की उपलब्धता हेतु पात्र पशु पालकों को इस योजना के तहत क्रृण मिल सकता है। पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड क्रृण योजना के तहत 10 हजार रुपये प्रति गाय और 12 हजार रुपये प्रति भैंस की सीमा के भीतर 1 लाख 60 हजार रुपये तक का क्रृण प्राप्त कर सकते हैं। बकरी-भेड़ पालन के लिए 17 हजार 600 प्रति यूनिट (101 बकरी-भेड़ समूह) को क्रृण मिल सकता है। साथ ही मुर्गी पालन के लिए प्रति 100 बॉयलर पक्षियों पर 8,000 रुपये, प्रति 100 परत वाले पक्षियों पर 15,000 रुपये और गाँव के प्रति 100 पक्षियों पर 5,000 रुपये का क्रृण लिया जा सकता है।

पशुपालक जिनके पास पशु हैं वे आवेदन करने के पात्र हैं। जो किसान पहले से फसल क्रृण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर रहे हैं, वे उपरोक्त सीमा को बढ़ाकर पशुपालन के लिए अतिरिक्त क्रृण प्राप्त कर सकते हैं।

<u>आवश्यक दस्तावेज</u>

पूर्ण आवेदन पत्र, भूमि की 7/12 प्रति, पी. एम. किसान योजना से जुड़ी बैंक पासबुक झेरोक्स कॉपी, आधार कार्ड झेरॉक्स, राशनकार्ड झेरॉक्स, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, आवेदन पत्र के साथ कागज की एक खाली शीट पर पशुपालन, उनके पशुओं के पर्याप्त ईयर टैग नंबर (12 डेटा बैज नंबर) लिखे जाने चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए नजदीकी पशु चिकित्सा संस्थान में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए आवेदन 28 जुलाई 2022 तक निकटतम पशु चिकित्सालय में जमा किए जाने चाहिए। आपातकालीन सेवाओं के लिए टोल फ्री नंबर 1962 या 1800-233-0418 का उपयोग किया जाना चाहिए। यह जानकारी जिला पशुपालन उपायुक्त गोंदिया ने दी है।

गुरुदेव हाईस्कूल दर्रेकसा में विद्यार्थियों को शैक्षणिक साहित्य का वितरण

बलंद संवाददाता दर्रेकसा - सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले दर्रेकसा की गुरुदेव हाईस्कूल में मुंबई की टच संस्था द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आदिवासी दुर्गम व आर्थिक रुप से पिछड़े पालकों के बच्चों को शिक्षा में बढ़ावा देने के साथ ही प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शैक्षणिक साहित्य का वितरण विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सार्वभौम सिद्धांत प्रशिक्षण संस्था के अध्यक्ष अर्जुनलाल कुथेकर, कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व जिप सदस्य शंकर मडावी, प्रमुख अतिथि संस्था के सचिव लक्ष्मीनारायण दोनोंडे, पूर्व प्राचार्य दिनेश राहंगडाले, संस्था के सदस्य युवराज कटरे, अनिल तितरमारे, शीला पंधरे, शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष हरीशचंद्र मोहबे, पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रमेश वाढिवे, पूर्व सरपंच लादूराम ऊईके, प्राचार्य चंद्रकांत सोनवाने, शिक्षक आरएन डोंगरे, जी.के. देशकर, यू.जी. पटले, वृंदा चाचेरे, आर.के. बिसेन, जी.जी. धमगाये, एम.एन. कुथेकर, एच.टी. मोहारे तथा शालेय विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यकम को सफल बनाने एन.जी. नाईक, आर.एन. जाभुड़कर ने विशेष सहयोग दिया तथा कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र बिसेन आभार सुरेंद्र पटले ने माना।

फर्जी वेबसाइटों पर जन्म-मृत्यु दर्ज न करें

निदेशक स्वास्थ्य सेवा एवं मुख्य पंजीयक जन्म एवं मृत्यु महाराष्ट्र राज्य पुणे एवं स्वास्थ्य विभाग जिला परिषद गोंदिया की ओर से जनहित में सभी नागरिकों को प्रसारित,

बुलंद गोंदिया - निदेशक स्वास्थ्य सेवा एवं मुख्य पंजीयक जन्म एवं मृत्यु महाराष्ट्र राज्य पुणे एवं स्वास्थ्य विभाग जिला परिषद गोंदिया की ओर से जनहित में अपील के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि जन्म-मृत्यु की घटनाओं के पंजीकरण के लिए समाजकंटको द्वारा विभिन्न मीडिया के माध्यम से फर्जी वेबसाइटें बनाई गई हैं। उनमें से वेबसाइटों के नाम हैं 1) crsorgigoovi.in, 2) crsrgi.in, 3) birthdeathonline.com । ये वेबसाइट भारत सरकार की आधिकारिक मूल वेबसाइट की नकल करके बनाई गई हैं और भारत सरकार की आधिकारिक मूल संख्या में वेबसाइट के समान हैं। इससे जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र भी तैयार किया जाता है। इसके लिए ऑनलाइन फोन मांग कर नागरिकों से पैसे लिए जाते हैं। नागरिकों को इस वेबसाइट के माध्यम से घटनाओं को पंजीकृत नहीं करना चाहिए या किसी भी तरह से ऑनलाइन भुगतान नहीं करना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सेवकों के साथ संपर्क, शहरी क्षेत्रों में प्रमुख नगर परिषद, नगर पंचायत, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम, कार्यकारी अधिकारी, कटक मंडल (छावनी बोर्ड), सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के प्रमुख (यदि घटना सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में हुई हो)) जन्म या मृत्यु के पंजीकरण के लिए होना चाहिए। उपर्युक्त वेबसाइट से जन्म-मृत्यु की घटनाओं के पंजीकरण के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

जुर्म और सजा

अनेक कैदी वर्षों जेल में बंद रहने के बाद आखिरकार निर्दोष घोषित कर छोड़ दिए जाते हैं।

हमारे देश में बहुत सारे ऐसे लोग जेलों में बंद हैं, जिन पर जमानती जुर्म की धाराएं लगी हैं, पर मुकदमा दायर करने वाली इकाइयों के एतराज की वजह से उन्हें जमानत नहीं मिल पाती। बहुत सारे विधि विशेषज्ञ और मानवाधिकार कार्यकर्ता लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि ऐसे लोगों को तुरंत जमानत दे दी जानी चाहिए, जिनसे न तो समाज को कोई खतरा है, न उनके जेल से बाहर निकलने के बाद फिर से कोई अपराध करने की आशंका, न देश छोड़ कर भाग जाने का भय। जिन लोगों पर गैरजमानती धाराएं लगी हैं, उनके बारे में भी सदाशयतापूर्वक विचार करने की उम्मीद की जाती है।

मगर स्थिति यह है कि बहुत सारे मामूली जुर्म की धाराओं में भी अनेक लोग गैरजमानती धाराओं में बंद लोगों की तरह व्यवहार होता है। इस तरह अनेक ऐसे लोग हैं, जो अपने मुकदमे की पैरवी भी ठीक से नहीं कर पाते और संबंधित जुर्म के लिए तय सजा से अधिक समय वे जेलों में गुजार देते हैं। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए सीबीआई द्वारा दायर एक मुकदमे की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि उच्च न्यायालयों को जमानत संबंधी याचिकाओं के जल्द निपटारे के लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए। जिन जमानत संबंधी याचिकाओं पर एतराज हो, उनका निपटारा भी दस हयते के भीतर हो जाना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय के ताजा आदेश से स्वाभाविक ही लोगों में एक उम्मीद जगी है। दरअसल, लोगों को जमानत न मिल पाने और विचाराधीन कैदी के रुप में लंबे समय तक रखे जाने से न सिर्फ जेलों पर बोझ बढ़ता है। अनेक जेलों में इसी वजह से क्षमता से कई गुना अधिक कैदी बंद हैं। इससे वहां कैदियों को न तो माकूल मानवीय सुविधाएं मिल पाती हैं और न सुरक्षा के इंतजाम सुचारु हो पाते हैं। फिर उनके मानवाधिकारों का हनन होता है।

अनेक कैदी वर्षों जेल में बंद रहने के बाद आखिरकार निर्दोष घोषित कर छोड़ दिए जाते हैं। इस तरह उनके ऊपर समाज में जो कलंक लगता है, जीवन भर उसे ढोते रहना पड़ता है वह अलग, उनके जीवन के कई कीमती वर्ष बर्बाद चले जाते हैं। इस विषय पर लंबे समय से बहस होती रही है, मगर अदालतें अब तक इसका कोई समाधान नहीं निकाल पाई हैं। देखना है कि सर्वोच्च न्यायालय के ताजा आदेश पर इस दिशा में क्या रास्ता निकल पाता है।

दरअसल, अरपराध की कुछ ऐसी धाराएं हैं, जिनमें जमानत देने से अदालतें हिचकती हैं। मसलन, पिछले कुछ वर्षों में मामूली अपराध में भी बहुत सारे लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मुकदमे दर्ज हैं। उनमें जमानत का प्रावधान नहीं है और उनकी जांच आदि में इतना समय जाया हो जाता है कि आरोपी को बेवजह जेल में दिन बिताने पड़ते हैं। इसी के मद्देनजर प्रधान न्यायाधीश ने अदालतों पर मुकदमों के बढ़ते बोझ के संदर्भ में तल्ख टिप्पणी की थी कि सरकार खुद सबसे बड़ी मुदमेबाज है।

इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश पर भी तब तक किसी सकारात्मक पहल की उम्मीद नजर नहीं आती जब तक सरकारें खुद इस तरह के मुकदमे लोगों पर लादने से बाज न आएं, जिनमें जमानत देना अदालतों के लिए मुश्किल हो। छिपी बात नहीं है कि हर सरकार अपने विरोधियों को सबक सिखाने या दबाने के लिए ऐसी धाराओं का इस्तेमाल करती है, जिसमें उन्हें जेल में डालना मजबूरी होती है। मगर इसमें सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप कर तो जमानत के प्रावधान बनाना मुश्किल नहीं।

भारतीय डाक विभाग ने नागरिकों के लिए शुरु की बीमा योजना

पोस्टमैन करेंगे अब घर-घर जाकर बीमा

बुलंद गोंदिया - भारतीय डाक विभाग ने आम नागरिकों के लिए एक बीमा योजना शुरु की है। इस योजना के माध्यम से दुर्घटना सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इस बीमा योजना में 18 से 65 वर्ष की आयु के सभी नागरिक भाग ले सकते हैं। विशेष रुप से डाकिया, साथ ही डाक कर्मचारी बीमा लेने के लिए घर-घर जाएंगे। सहायक अधीक्षक डाकघर गोंदिया आशीष कुमार बंसोड़ ने अपील की है कि डाकघर की यह योजना नागरिकों के लिए उपयोगी है और वे इस योजना का लाभ उठाएं।

299 रुपये और 399 रुपये की किश्तों में आपको एक साल में 10 लाख रुपये तक का बीमा मिलेगा। दुर्घटना में मृत्यु, अपंगता की स्थिति में 10 लाख रुपये की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने पर 50,000 रुपये तक और बिना अस्पताल में भर्ती घर पर इलाज के मामले में 30,000 रुपये तक के खर्च का भी दावा किया जा सकता है। इतना ही नहीं 10 दिन तक एक हजार रुपये प्रतिदिन अस्पताल के खर्च के लिए भी दिए जाएंगे। इस बीमा के तहत दो बच्चों की पढ़ाई के लिए एक लाख रुपये तक की राशि भी मिलेगी। योजना की अवधि एक वर्ष है। एक वर्ष की समाप्ति के बाद, बीमा योजना में भाग लेने के लिए अगले वर्ष फिर से नवीनीकरण करना होगा। किसी भी डाकघर में जाकर नया खाता निकालकर बीमा लिया जा सकता है।

इसमें 18 से 65 वर्ष के बीच के सभी नागरिक भाग ले सकेंगे। डाकिया, डाक कर्मचारी घर-घर जाकर नागरिकों का बीमा कराएंगे। सहायक अधीक्षक डाकघर गोंदिया आशीष कुमार बंसोड़ ने अपील की है कि इस योजना में अधिक से अधिक नागरिक भाग लें।

डाकिया घर-घर जाकर बना रहे बच्चों के आधार कार्ड

नागरिको से सहयोग का आव्हान

बुलंद गोंदिया - केंद्र सरकार ने आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को 5 साल तक के बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी थी। लेकिन कोरोना काल से आंगनवाडी में आधार बनाने का काम बंद है। ऐसे में केंद्र सरकार ने भारतीय डाक विभाग के डाकियों को यह जिम्मेदारी दी है। डाकिया एक माह से लगातार गांव-गांव जाकर 5 साल से कम उम्र के बच्चों का आधार कार्ड बनवा रहे है। इस कार्य में आंगनबाडी कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है। इससे लोगों को आधार कार्ड बनवाने के लिए 30 से 35 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। दूर जाने की परेशानी कम होती जा रही है।

आज बैंक खाता खुलवाने, स्कूल में दाखिले, हर समारोह के साथ हर तरह की पहचान जैसी हर सरकारी सुविधा के लिए आधार कार्ड जरुरी है। पहले हर व्यक्ति के आधार कार्ड में कुछ न कुछ त्रुटियां थीं। किसी की जन्मतिथि गलत दर्ज की थी तो किसी का नाम गलत लिखा गया था। लगभग 90 प्रतिशत लोगों का मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं था। इसका खामियाजा सभी आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। इसके समाधान के लिए हर जगह आधार केंद्र शुरु किए गए, लेकिन नागरिकों को 30 से 35 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। केंद्र सरकार ने 5 साल तक के बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी भारतीय डाक विभाग को दी है। इसके लिए डाक विभाग ने चाइल्ड एनरोलमेंट लाइट काउंट के जरिए यह योजना शुरु की है।

इसके साथ ही डाक विभाग द्वारा जिन लोगों ने आधार कार्ड को मोबाइल नंबर से लिंक नहीं किया है उनके मोबाइल नंबर को डाकिया की मदद से जोड़ने का काम फरवरी माह से चल रहा है। इस कार्य की सफलता के बाद डाक विभाग के माध्यम से जून से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने का कार्य चल रहा है। गोंदिया डाक विभाग के सहायक अधीक्षक आशीष बंसोड़ ने जिले के नागरिकों से इस योजना का लाभ लेने की अपील की है।

बालाजी नर्सिंग होम गोंदिया में डॉ विद्यासागर ने जटिल कूल्हा प्रत्यारोपण कर मरीज को वर्षो के दर्द दी राहत

विदर्भ में चौथी बार एवं तीन जिलों में पहली बार जटिल कूल्हा प्रत्यारोपण

बुलंद गोंदिया - 40 वर्षो से सतत गोंदिया-भंडारा-बालाघाट एवं अन्य कई राज्यों के मरीज़ों के लिए सेवा एवं उपचार प्रदान कर रहे गोंदिया के डॉ. मोहन बालाजी नर्सिंग होम में कुछ दिन पूर्व बचपन से अपने बाएं कूल्हे में असहनीय दर्द से ग्रसित एक मरीज़ ने जोईंट रिप्लेस्मेंट सर्जन डॉ. एस. विद्यासागर मोहन से परामर्श किया और उनके द्वारा जांच करने पर पाया गया कि मरीज़ के दोनों कूल्हे पूरी तरह से ख़राब हो गए हैं। यह स्तिथि बचपन से ही थी। जिससे मरीज़ असहनिय दर्द से ग्रसित था एवं चल भी मुश्किल से पा रहा था। मरीज़ एवं उनके रिश्तेदारों से बात करके समझाया गया कि कूल्हे को बदलने की आवश्यकता हैं और उसके लिए एक अलग तरह का जोड़ (इंप्लांट S&ROM) जिसका उपयोग ऐसे ही स्तिथि में किया जाता हैं। उसकी ज़रुरत हैं

और उनके सहमति पर बाएं कूल्हा प्रत्यारोपण (जोईट रीप्लेस्मेंट) किया गया।

डॉ विद्यासागर ने आगे बताया की यह इंप्लांट या जोड़ पूरे विदर्भ में इसके पहले मात्र 3 बार ही इस्तेमाल हुआ हैं और गोंदिया भंडारा बालाघाट जिले में सर्वप्रथम बार बालाजी नर्सिंग होम में इस पेशंट पर प्रत्यर्पित किया गया हैं। ऑपरेशन के बाद मरीज़ का दर्द पूरी तरह से चला गया हैं और वह बिना दर्द के चल पा रहा हैं। बालाजी नर्सिंग होम में घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण होता हैं एवं महाराष्ट्र की महात्मा ज्योतिराव फुले जीवनदायी आरोग्य योजना एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान जनआरोग्य योजना एवं ESIC के अंतर्गत पंजीकृत हैं।

डॉ विद्यासागर ने ऑपरेशन की सफलता के लिए घूंगी विशेषज्ञ डॉ गजानन करसायल एवं Depuy कम्पनी के सचिन जायसवाल एवं रितु महतो एवं बालाजी नर्सिंग होम की पूरी टीम का विशेष धन्यवाद दिया हैं।

कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव १५ जुलाई से ३० सितंबर तक

18 से 60 वर्ष के आयु वर्ग के नागरिकों को मिलेगा नि:शुल्क प्रिकाशन डोज

बुलंद गोंदिया - आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर कोविड-19 अमृत महोत्सव अभियान के तहत गोंदिया जिले के नागरिकों को 15 जुलाई से 30 सितंबर 2022 इस 75 दिन की कालावधी के दौरान 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों को नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज दिया जाएगा। इस प्रकार की जानकारी जिलाधिकारी कार्यालय में सोमवार 18 जुलाई को आयोजित पत्र परिषद में जिलाधिकारी नयना गुंडे व जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल द्वारा दी गई है।

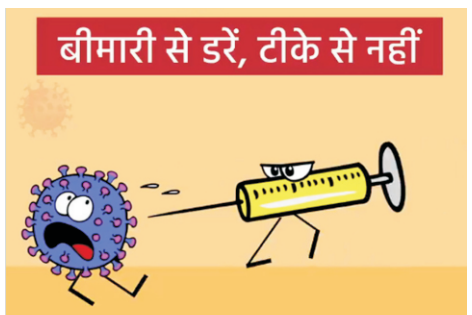

गौरतलब है कि जिले राज्य व देश में कोरोना का संक्रमण फिर से पैर पसारने लगा है। जिस पर रोकथाम के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण है। इसलिए आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कोविड-19 अमृत महोत्सव अभियान में नागरिकों को प्रिकॉशन डोज नि:शुल्क दिया जा रहा है। जिसमें गोंदिया जिले में 15 जुलाई से 30 सितंबर 2022 इस 75 दिनों की काला अवधि के दौरान लगाया जाएगा। जिनका दूसरा डोज लिए 6 माह हो चुका है, ऐसे नागरिकों को प्रिकाशन डोज दिया जाएगा। जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण तैयारियां कर ली गई है। गोंदिया जिले प्रिकॉशन डोज 687436 का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में जिले में 35270 कोवैक्सीन व 45120 कोविशिल्ड के डोज उपलब्ध है। राज्य स्तर पर कोविशिल्ड के 2,50,000 व कोवैक्सीन के 3,00,000 डोज की गई की मांग की गई है। प्रिकॉशन डोज जिले के सभी शासकीय चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप केंद्र, जन स्वास्थ्य केंद्र में नियमित लगाए जाएंगे। इसके साथ ही सभी शासकीय निजी स्कूलों कालेजों, शासकीय कार्यालयों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों इंडस्ट्रियल क्षेत्र, शहरी क्षेत्र ,ग्राम स्तर ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप का आयोजन कर टीकाकरण किया जाएगा तथा सभी पात्र लाभार्थियों को उनके मोबाइल पर जिला स्तर पर .उे.. द्वारा टीकाकरण की जानकारी दी जाएंगी ।

साथ ही रविवार व अवकाश के दिन भी विशेष टीकाकरण अभियान का आयोजन कर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को टीकाकरण करने का लक्ष्य जिला प्रशासन द्वारा रखा गया है। जिला प्रशासन द्वारा व जिलाधिकारी तथा जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल द्वारा जिले के सभी नागरिकों से आवाहन किया है कि सभी पात्र लाभार्थी इस टीकाकरण अभियान में शामिल होकर कोरोना संक्रमण की लड़ाई में सहयोग करें वह कोरोना बीमारी से बचाव करें। आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, निवासी उप जिलाधिकारी जयराम देशपांडे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे उपस्थित थे।

आधार नंबर को वोटर कार्ड से लिंक करने के अभियान में करे सहयोग - जिलाधिकारी नयना गुंडे

बुलंद गोंदिया - 20 अगस्त से स्वैच्छिक आधार कार्ड को वोटर कार्ड से जोड़ने का काम शुरु हो रहा है और नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है, जिलाधिकारी नयना गुंडे ने कहा हैं केंद्र सरकार द्वारा चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 के अनुसार मतदाता सूची विवरण को जोड़ने और सत्यापन के लिए मतदाताओं से आधार जानकारी के स्वैच्छिक संग्रह के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, महाराष्ट्र राज्य, मंत्रालय, मुंबई को निर्देश, भारत के चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून और न्याय मंत्रालय ने कहा कि नागरिकों को इन निर्देशों के कार्यान्वयन में सहयोग करना चाहिए।

निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी निर्वाचक नामावली में प्रत्येक मतदाता से निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से आधार संख्या प्राप्त करने के

लिए वैधानिक रुप से अधिकृत है। इसके अलावा अधिसूचना 17 जून 2022 डीटी में निर्दिष्ट है। 1 अप्रैल, 2023 को या उससे पहले, प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में है, अपना आधार नंबर आवेदन संख्या लागू करेगा। आवश्यक आवेदन संख्या मतदाताओं को 6बी प्रिंटेड कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही आवेदन नं. 6 बी माननीय। भारत के चुनाव आयोग और माननीय के eci.gov.in मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट httpsé//ceoelection.maharashtra.gov.in पर उपलब्ध कराई जाएगी।

आवेदन संख्या। 6बी ईआरओ नेट, गरुड़, एनवीएसपी, वीएचए पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। उक्त आधार लिंकिंग का उद्देश्य मतदाता सूची में प्रविष्टियों को मान्य करना और एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में या एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार एक ही व्यक्ति के नाम के पंजीकरण की पहचान करना है। मतदाताओं की ओर से आधार संख्या जमा करना स्वैच्छिक है। घर-घर जाकर बीएलओ के माध्यम से वसूली भी की जाएगी। विशेष शिविर के आयोजन से लेकर आवेदन नं. 6 बी एकत्र किया जाएगा।

यदि मतदाता के पास आधार संख्या नहीं है तो आवेदन संख्या 6बी में दिखाए गए 11 वैकल्पिक दस्तावेजों में से एक को जमा किया जा सकता है। उदा. पैन कार्ड, फोटो के साथ किसान पासबुक, पासपोर्ट, एपिक कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, हेल्थ स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, फोटो के साथ पेंशन दस्तावेज, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों का पहचान पत्र, सामाजिक न्याय विभाग का पहचान पत्र। आधार संख्या को मतदाता सूची से जोड़ना स्वैच्छिक है। केवल आधार प्रस्तुत करने में असमर्थता के कारण नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जा सकता है। जिलाधिकारीएवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोंदिया नयना गुंडे ने सभी मतदाताओं से 1 अगस्त 2022 से बड़ी संख्या में आधार संख्या को लिंक करने की अपील की है।

भारी बारिश के दौरान मृतक व्यक्तियों के परिजनों को शासकीय सहायता दिलाने का प्रयास - विधायक अग्रवाल

मृतकों के घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त कर १० हजार की दी आर्थिक सहायता

बुलंद गोंदिया - जिले में गत कई दिनों से भारी बारिश हो रही है और इस बारिश में गोंदिया तहसील के कई नागरिको की मौत हो गई। विधायक विनोद अग्रवाल ने मृतकों के घर जाकर उनके परिवार को 10 हजार की आर्थिक सहायता देकर सांत्वना दी और कहा कि आर्थिक सहायता के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक नागरिको में तुमखेड़ा खुर्द (लोधिटोला) से आशीष धर्मराज बागड़े, संजू प्रमोद बागड़े साथ ही गोंदिया शहर थाने अंतर्गत गौतम नगर में जावेद अली हजरत अली सैयद, बाबा उर्फ रेहान कलीम शेख, वंश जयप्रकाश उपराडे, पवण विजय गाते, दुर्योधन ठुनाजी बागडे का समावेश है। इस समय विधायक विनोद अग्रवाल, पंचायत समिती सभापती मुनेश रहांगडाले, कनीराम तावाड़े, पंचायत समिती सदस्य कारंजा, होमेंद्र भांडारकर सरपंच खमारी, शेखर वाढवे, अरविंद हरडे, मिताराम हरडे, पंकज सोनवाने, विजय रगड़े, नीलकंठ मानकर इत्यादी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

<u>भारी बारिश से हो रहे नुकसान की तत्काल जांच करे - विनोद अग्रवाल</u>

कुछ दिनों से हर जगह लगातार बारिश होने से कई लोगों के घर धराशायी हो गए है। कुछ गांवों का संपर्क टूटने की संभावना भी है। साथ ही विधायक अग्रवाल ने तहसीलदार व पटवारियों को तत्काल जांच के आदेश देने के निर्देश दिए। भारी बारिश में जिन लोगों की जान गई है, उन्हें तत्काल सहायता प्रदान करने कार्रवाई की जाए, ऐसा निर्देश दिया है। साथ ही खेतों में काम करने वाले किसानों तथा भारी बारिश में मरने वाले खेत मजदूरों को सरकार द्वारा लागू गोपीनाथ मुंडे शेतकरी दुर्घटना बीमा योजना के तहत 2 लाख की वित्तीय सहायता दी जा सकती है। इसके लिए तहसीलदार तथा तहसील कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि इसकी भी जानकारी नागरिको तक पहुचाएं।

चावला व अग्रवाल रेलवे के परामर्शदात्री सलाहकार समिति के सदस्य नियुक्त

बुलंद गोंदिया - दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल द्वारा रेल उपभोक्ताओं को सर्वाधिक सुविधाएं दिलाने हेतु सदैव प्रयासरत घनश्याम अग्रवाल व इंजीनियर जसपाल सिंह चावला को वर्ष 2022-23 के लिए परामर्शदात्री (DRUCC) सलाहकार समिति सदस्य नियुक्त किया गया है। रेलवे द्वारा नियुक्ति आगामी 2 वर्षों के लिए की गई है। इसके पूर्व इंजीनियर जसपाल सिंह चावला, गोंदिया रेल सलाहकार समिति सदस्य के पद पर नियुक्त थे। डिविजनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव समिति सदस्य नियुक्त होने पर चावला ने सभी का आभार व्यक्त किया है। घनश्याम अग्रवाल नियुक्ती सांसद अशोक नेते की अनुशंसा पर SECR नागपुर डिविजन के परामर्शदाता सदस्य के रुप हुई है।

पाटबंधारे विभाग द्वारा नीमगांव मामा तलाव परिसर में पौधारोपण

बुलंद गोंदिया - गोंदिया पाटबंधारे विभाग के अंतर्गत आने वाले पाटबंधारे विभाग नवेगांव बांध के माध्यम से नीमगांव मामा तलाव परिसर में कार्यकारी अभियंता सोनूले, उपकार्यकारी अभियंता पिपलेवार, उपविभागीय अधिकारी समीर बनसोडे, शाखा अधिकारी डहाके, शाखा अधिकारी भेलावे व कर्मचारियों के हस्ते पौधारोपण किया गया। उपरोक्त पौधारोपण में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

जिप कर्मचारी महासंघ ने अध्यक्ष पंकज रहांगडाले को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला परिषद के अध्यक्ष पंकज रहांगडाले के जन्म दिवस के अवसर पर गोंदिया जिला परिषद कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष सुभाष खत्री, सचिव सौरभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संतोष तोमर, ग्राम सेवक संगठन के अध्यक्ष कमलेश बिसेन, कार्तिक चौहान व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अतिविष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा व अन्य समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में लगातार हो रही बारिश से अतिवृष्टि हुई व फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। किसानो के फसलो का जल्द ही पंचनामा कर ज्यादा से ज्यादा नुकसान भरपाई शासन करे, साथ ही रासायनिक खाद का कृत्रीम कमी करने वालो पर कठोर कारवाही की जाए। जिले के ग्रामीण व शहरी इलाकों में अनेक मकान क्षतिग्रस्त हुए है, साथ ही पानी के बहाव में जनहानी व पशुहानी हुई है। इस हेतु शीघ्र शासन अधिक से अधिक मुआवजा दे। गंदगी व अव्यवस्था के चलते बड़े पैमाने पर बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के शासकीय दवाखानो में स्थिति गंभीर है। दवा उपलब्ध नहीं है, डॉक्टर व स्टाफ की कमी से सामान्य लोगों को इलाज के लिय परेशानियों सामना करना पड़ रहा है, इस पर भी नागरिको में तीव्र नाराजी है।

शहरो मे गन्दगी, रोड-रस्तो पर गड्ढे पड़े है, स्ट्रीट लाइट बंद पड़े है। इसे अप्रासंगिक एवम अपघात होने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस कठीन समय में शासन व्दारा अन्नधान्य व जीवनावश्यक वस्तुओ पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाई गई, उसे तत्काल रद्द करें। नियमित कर्ज चुकाने वाले किसानों को प्रोत्साहन पर मंजूर 50000 की राशी त्वरित वितरीत की जाए। साथ ही किसानो का रबी की फसल का पूरा धान आधारभूत कीमत में खरीदी हो, यह भी निवेदन किया गया है। पुर परिस्थिति में जिन नागरिको की मृत्यु हो गई उनको शीघ्र मुआवजा देने संबंधी आवश्यक कदम उठाए। इन विषयो पर राष्ट्रवादी कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के नेतृत्व में जिलाधिकारी गोंदिया व मुख्य अधिकारी नप गोंदिया से भेंट की व शासन से शीघ्र सुविधा मुहैया करने की मांग की। इस बाबद राष्ट्रवादी कॉग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी व मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोंदिया को निवेदन सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, गंगाधर परशुरामकर, देवेन्द्रनाथ चौबे, जिप उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर, योगेंद्र भगत, विशाल शेंडे, अशोक सहारे, राजलक्ष्मी तुरकर, केतन तुरकर, सुरेश हर्षे, किरण पारधी, बालू बावनथडे, अखिलेश सेठ, बालकृष्ण पटले, नीरज उपवंशी, रफीक खान, गोविंद तुरकर, रवि पटले, प्रेमकुमार राहंगडाले, केवल बघेले, सी.के. बिसेन, राजू एन. जैन, किशोर तरोने, लोकपाल गहाणे, संदीप मेश्राम, सुनील भालेराव, सचिन शेंडे, मनोहर वाल्दे, विनीत सहारे, खालिद पठान, गणेश बरडे, सुनील पटले, रजनी गौतम, नितिन टेंभरे, शंकर टेंभरे, लिकेश चिखलौंड़े, यशवंत परशुरामकर, मोहन पटले, हरिराम आसवानी, लक्ष्मण चंद्रिकापुरे, करण टेकाम, शोभा गणवीर, ऊषा मेश्राम, सोनू राय, चंद्रकुमार चुटे, एकनाथ वहीले, रमेश कुरील, बहेलिया, लव माटे, रौनक ठाकुर, नरेंद्र बेलगे, दर्पण वानखेड़े, नागो सरकार, कपिल बावनथडे, कुणाल बावनथडे, मदन चिखलौंड़े, पिंटू बनकर, कान्हा बघेले, सरभ मिश्रा, सोनू येडे, प्रतिक पारधी, कल्लू मस्करे, प्रमोद कोसरकर, इकबाल सैक्कयद, वामन गेडाम व अन्य उपस्थित थे।

श्रावण के पहले सोमवार को नागराधाम में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

<u>कोविड-काल के 2 वर्षों तक श्रावण में थे मंदिरों के द्वार बंद</u>

बुलंद गोंदिया - गुरु पूर्णिमा 13 जुलाई से हिंदू सवंत श्रावण मास शुरु हो चुका है। जिसके पहले सोमवार 18 जुलाई को गोंदिया जिले के प्रमुख शिव मंदिर तीर्थ क्षेत्र नागराधाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिसमें सुबह से ही नागरेश्वर के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई थी।

उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण काल के 2 वर्षों के दौरान श्रावण मास में मंदिरों के द्वार बंद थे। जिससे गत 2 वर्षों में श्रद्धालुओं ने श्रावण में बाबा भोलेनाथ के दर्शन नहीं कर पाए थे। किंतु इस वर्ष किसी भी प्रकार का प्रतिबंध न होने से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

हरी चौधरी की मनसे गोंदिया शहर अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना गोंदिया शहर की बैठक का आयोजन शासकीय विश्राम गृह में की गई। जिसमें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रदेश सरचिटणीस हेमंत गडकरी की सहमति से गोंदिया जिला संपर्क अध्यक्ष राहुल बालमवार ने मनसे जिला अध्यक्ष मनीष चौरागडे, जिला अध्यक्ष हेमंत लिल्हारे, जिला उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, जिला सचिव सुरेश ठाकरे की उपस्थिति में गोंदिया शहर अध्यक्ष पद पर हरी चौधरी की नियुक्ति की। साथ ही गोंदिया शहर की बैठक में आने वाले गोंदिया नगर परिषद के चुनाव में मनसे पूरी ताकत के साथ गोंदिया शहर के 22 प्रभागो में चुनाव लड़ाने की बात मनसे जिला अध्यक्ष मनीष चौरागडे ने कही।

राष्ट्रीय विकलांगता पुरस्कार के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

बुलंद गोंदिया - केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए वर्ष 2021 और 2022 के लिए विकलांग नामांकन और आवेदन आमंत्रित करने के उद्देश्य से 15 जुलाई से 28 अगस्त 2022 तक एक वेबसाइट शुरु की है। आवेदन/नामांकन वेबसाइट www.awaros.gov.in के माध्यम से भरा जाना चाहिए। राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 और 2022 के लिए 28 अगस्त 2022 से पहले प्राप्त सभी आवेदनों पर विचार किया जाएगा। गृह मंत्रालय द्वारा बनाए गए पासवर्ड से सुरक्षित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से वर्ष 2021 और वर्ष 2022 के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए। पोर्टल पर उपलब्ध विशिष्ट नमूना आवेदन पत्र में सभी बिंदुओं को बकाया और प्रेरक कार्य के विस्तृत विवरण के साथ भरा जाना चाहिए। व्यक्तिगत रुप से या डाक द्वारा जमा किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के तहत राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशानिर्देशों के अनुसार पात्रता, मानदंड और अन्य विस्तृत विवरण पर विचार किया जाएगा। जिले के विकलांग व्यक्ति और संगठन निर्धारित अवधि के भीतर ऑन लाइन पोर्टल पर वर्ष 2021 और 2022 के लिए 28 अगस्त से पहले अलग से आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी जिप गोंदिया ने दी है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।